

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
घमोली।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: ०३ मार्च, २००६

विषय:—नवसृजित उपतहसील घाट के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष २००५-०६ में धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-१६७७/नौ-१६(२००२-०३) दिनांक ४-१-२००६ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नवसृजित उपतहसील घाट के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन रु० २००.९० लाख का टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाये गये आगणन रु० १५८.७० लाख पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु रु० २५.०० लाख (रुपये पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

१- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

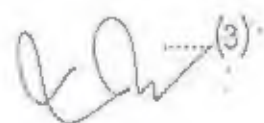
२- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

३- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

४- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

 (२)

- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2006 तक पूर्ण उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण व उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा। उक्त विवरण व धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही आगमी किश्त अवमुक्त की जायेगी।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 8- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी।
- 9- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 10- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
- 11- भवन के निर्माण में भूकम्पविरोधी तकनीकी का पूर्णतः समावेश किया जायेगा।
- 12- उपरोक्त धनराशि व्यय करते समय बजट गैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवं शासन के अन्य तद्विषयक आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 13- स्वीकृत की जा रही धनराशि से सर्वप्रथम अनावासीय भवनों का निर्माण किया जायेगा।
- 14- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-6 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-आयोजनागत-051-निर्माण-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0103-तहसीलों के अनावासीय भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

 (3)

15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-53
/XXVII(5)/2006 दिनांक 31 जनवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से
निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सोहन लाल)
अपर सचिव।

संख्या एवं तारीखें।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- कोषाधिकारी, चमोली।
- 3- निजी सचिव, मुख्यमंत्री।
- 4- अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- अपर सचिव, नियोजना विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल।
- 7- परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम, इकाई - 2, श्रीनगर
गढ़वाल।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)
अपर सचिव।